प्रभु के नाम को व्यर्थ न लो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

निर्गमन 20:7
“तू अपने परमेश्वर यहोवा का नाम अकारथ न लेना, क्योंकि जो उसका नाम अकारथ लेता है, उसको यहोवा निर्दोष न ठहराएगा।”

यह आज्ञा हमारे लिए जानी-पहचानी है। अक्सर हम सोचते हैं कि परमेश्वर के नाम को व्यर्थ लेना सिर्फ तब होता है जब हम उसका नाम मज़ाक में लेते हैं, या झूठी कसम खाते हैं। लेकिन यह उसकी सिर्फ एक झलक है।

इस आज्ञा का एक और गंभीर पक्ष है, जिसे हम अक्सर नज़रअंदाज़ कर देते हैं — और यह वो है जो परमेश्वर को अत्यंत अप्रसन्न करता है। हो सकता है आपने इसे कभी अनजाने में किया हो, और यह आपकी आत्मिक उन्नति में रुकावट भी बन गया हो।

जब आप कहते हैं, “मैंने अब मसीह का अनुसरण करने का निर्णय लिया है, मेरा पुराना जीवन अब समाप्त हो गया है,” तो वास्तव में आप परमेश्वर को बुला रहे होते हैं कि वह अब से आपके जीवन का मार्गदर्शन करे। बाइबल की भाषा में कहें तो, आपने परमेश्वर के नाम को अपने उद्धार के लिए पुकारा है।

लेकिन अगर आप यह कहें कि “मैं उद्धार पाया हूँ, मैं मसीही हूँ”, और फिर भी वैसा ही जीवन जिएं जैसा पहले था – चोरी करना, व्यभिचार करना, पोर्न

प्रभु के नाम को व्यर्थ न लो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

देखना, चुगली करना, आदि – तो यह वैसा ही है जैसे आप परमेश्वर का मज़ाक उड़ा रहे हों। आपने उसे बुलाया उद्धार देने को, लेकिन आप खुद तैयार नहीं हैं बदलने को। यही है – आपने अपने परमेश्वर का नाम व्यर्थ में लिया है!

ऐसे में तो अच्छा होता कि आप कभी उद्धार को छूने का भी प्रयास न करते।

उत्पत्ति 4:25-26 में हम पढ़ते हैं:
“आदम फिर अपनी पत्नी से मिला, और उसके एक पुत्र उत्पन्न हुआ जिसका नाम उसने शेत रखा। … शेत के एक पुत्र हुआ, जिसका नाम उसने एनोश रखा। तभी लोग यहोवा का नाम लेना अर्थात पुकारना प्रारम्भ किया।”

यहाँ हम देखते हैं कि जब लोग परमेश्वर को खोजने लगे, तो बाइबल कहती है: उन्होंने उसका नाम पुकारा।

अब देखिए जब स्वयं यहोवा अपने नाम को प्रकट करता है, तो वह सिर्फ “यहोवा” शब्द नहीं बोलता, बल्कि अपने स्वभाव और चरित्र को प्रकट करता है:

निर्गमन 34:5-7
“तब यहोवा बादल में उतरकर उसके संग खड़ा हुआ, और यहोवा का नाम प्रकट किया।
… यहोवा यहोवा, दयालु और अनुग्रहकारी ईश्वर, कोप करने में धीमा और

प्रभु के नाम को व्यर्थ न लो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

करुणा और सत्य में बड़ा है;
जो हजारों तक करुणा करता है, अधर्म और अपराध और पाप को क्षमा करता है; परंतु दोषी को किसी रीति से दोष रहित नहीं ठहराता, और पितरों के अधर्म का दंड बच्चों पर, और पोतों और परपोतों तक देता है।”

ध्यान दीजिए — उसका नाम सिर्फ दया नहीं है, बल्कि न्याय भी है। वह दोषी को निर्दोष नहीं ठहराता।

तो जब हम मसीह को अपने जीवन में ग्रहण करते हैं, और फिर भी हमारा जीवन नहीं बदलता, तो इसका मतलब है कि हमने परमेश्वर के नाम को व्यर्थ लिया है – और वह हमें दोषी ठहराएगा।

अब एक उदाहरण विचार कीजिए:
मान लीजिए किसी ने जापान से एक कार मंगाई, इस शर्त पर कि जब वह पहुंचेगी तब उसका भुगतान किया जाएगा। लेकिन जब कार आती है, तो वह कहता है, “मुझे अब इसकी ज़रूरत नहीं, मैं तो मज़ाक कर रहा था।”

आप सोचिए, विक्रेता क्या करेगा? क्या वह उसे यूँ ही जाने देगा? नहीं! या तो उस पर जुर्माना लगाया जाएगा या केस चलेगा – और अंत में उसे भुगतान करना ही होगा।

ठीक उसी प्रकार, जब हम येशु का नाम पुकारते हैं – वो नाम जिसमें उद्धार है (प्रेरितों के काम 4:12) – तो हमें सचमुच उद्धार की इच्छा रखनी

प्रभु के नाम को व्यर्थ न लो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

चाहिए। अन्यथा, प्रभु हमें दोषमुक्त नहीं छोड़ेगा।

इसीलिए नीतिवचन में लेखक कहता है:

नीतिवचन 30:8-9
“मुझ से मिथ्या और झूठ की बातों को दूर कर दे; न तो मुझे दरिद्रता दे, और न धनी बना; मुझे उतना ही दे जितना आवश्यक है,
कहीं ऐसा न हो कि मैं तृप्त होकर तुझ को नकारूं, और कहूं, ‘यहोवा कौन है?’ या दरिद्र होकर चोरी करूं, और अपने परमेश्वर का नाम कलंकित करूं।”

यहाँ वह मानता है कि चोरी करना भी परमेश्वर के नाम को व्यर्थ लेना है।

इसलिए, जब हम यह कहें कि “यीशु ही मेरा उद्धारकर्ता है”, तो हमें संसार से मुँह मोड़कर पूरी तरह ईश्वर के पीछे चलना होगा, ताकि हम किसी श्राप में न पड़ें।

2 तीमुथियुस 2:19
“… और: जो कोई प्रभु का नाम लेता है, वह अधर्म से दूर हो जाए।”

यदि आप प्रभु यीशु का नाम अपने होठों पर लेते हैं, तो पहले पाप को छोड़िए। इसका मतलब है सच्चे मन से पश्चाताप करना, पाप को फिर कभी न करने का निश्चय करना, और बपतिस्मा लेकर पवित्र आत्मा का वरदान पाना।

प्रभु के नाम को व्यर्थ न लो!

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

हमारे उद्धारकर्ता यीशु मसीह का नाम सदा महिमामय हो।

आमेन।

Share on:
WhatsApp

Print this post